दैइयाखैरवार मधुबनी जिला का मत्स्यबीज उत्पादन का हब

आम आदमी की जिन्दगी में जो महत्व रोटी, कपड़ा एवं मकान का है वही महत्व मछली पालन में उच्च गुणयुक्त मत्स्य बीज, मत्स्य फीड एवं उर्वरक का है। विगत कुछ वर्षों में राज्य में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि के पीछे सबसे बड़ी भूमिका गुणवत्तायुक्त बीज की उपलब्धता है। इसके महत्व को बिहार में सबसे पहले 1992 में तमुरिया ग्राम के स्व. सदाय मुखिया ने चरितार्थ कर दिखाया था जिसे आज श्री कपिलेश्वर मुखिया "मिथिला मत्स्य हैचरी" के नाम से आगे बढ़ा रहे हैं। मधुबनी जिला से 45 कि.मी. दूर झंझारपुर अनुमंडल के लखनौर प्रखंड में तमुरिया ग्राम अवस्थित है। जिनका अनुशरण कर राज्य में गुणवत्ता युक्त बढ़ते मत्स्य बीज की माँग को देखते हुए मत्स्य निदेशालय के पदाधिकारियों के कुशल प्रशिक्षण एवं निर्देशन में लखनौर प्रखंड के दैइयाखैरवार ग्राम जो मधुबनी जिला से 30 कि.मी. एवं झंझारपुर अनुमंडल से 3 कि.मी. की दूरी पर अवस्थित है, में 5 नवयुवक यथा–श्री दिलीप चौहान, श्री शंकर सिंह, श्री अशोक सिंह, श्री विमल सिंह एवं श्री निरज सिंह ने चाईनिज सरकुलर हैचरी एवं जार हैचरी की स्थापना कर अपने जिले की मत्स्य बीज की माँग को पूरा करते हुए आज राज्य के 15 अन्य जिलों एवं नेपाल को भी मत्स्य बीज की आपूर्ति करते हैं। आज दैइयाखैरवार ग्राम बिहार के मानचित्र पर एक मत्स्य बीज उत्पादन का हब बनकर उभरा है जहाँ सालाना लगभग 200 करोड़ स्पॉन, 20 करोड़ फ्राई, 10 करोड़ फिंगर लिंग मत्स्य बीज की आपूर्ति हो रही है। इस ग्राम को मत्स्य बीज उत्पादन का हब बनने से इस व्यवसाय से जुड़े अन्य व्यवसाय यथा–1 जाल की दुकान, 3 दवा की दुकान, 1 आईस फैक्ट्री एवं 1 पेट्रोल पंप का सृजन हुआ है जिससे आज इस ग्राम का चौतरफा सामाजिक एवं आर्थिक विकास हुआ है। इस खण्ड में प्रस्तुत है मधुबनी जिले के अग्रणी मत्स्य बीज उत्पादकों की सफलता की कहानी।

श्री कपिलेश्वर मुखिया द्वारा वर्ष 1992 में जिले में प्रथम मत्स्य बीज हैचरी की स्थापना लगभग तीन एकड़ निजी जमीन पर की गयी। शुरूआत में तकनीकी ज्ञान के अभाव में इनके द्वारा मात्र 60 से 680 लाख स्पॉन का उत्पादन किया गया। विभाग से प्रशिक्षण के उपरान्त वर्तमान में इनके द्वारा 8–10 करोड़ स्पॉन एवं 50 लाख फ्राई एवं फिंगरलिंग का उत्पादन लगभग 8 एकड़ जलक्षेत्र में किया जा रहा है। वर्तमान में इनके दोनों अनुज श्री जुगेश्वर मुखिया एवं श्री बालेसर मुखिया हैचरी के सफल संचालन में मदद कर रहे हैं। इनके अनुभव एवं प्रेरणा से प्रखंड में अन्य तीन हैचरियों में सफलतापूर्वक देशी एवं विदेशी मछलियों का स्पॉन उत्पादन किया जा रहा है।

मिथिला मत्स्य हैचरी का परिसर

श्री मुखिया के हैचरी पर वर्ष 2012 में बिहार के माननीय मुख्यमंत्री, श्री नीतीश कुमार द्वारा भ्रमण किया गया एवं हैचरी के सफल संचालन हेतु सराहना की गई।

दैइयाखैरवार लखनौर स्थित मत्स्य हैचरियों की विवरणी

क्र.	मत्स्य हैचरी का नाम	संचालक का नाम	जलक्षेत्र (एकड़ में)	स्पॉन उत्पादन (लाख में)	फ्राई उत्पादन (किलोग्राम में)
1.	मिथिला मत्स्य हैचरी, तमुरिया	श्री कपिलेश्वर मुखिया	45.00	5000.00	50,000
2.	गंगा मत्स्य हैचरी, दैइयाखैरवार	श्री दिलीप चौहान	10.00	2000.00	25,000
3.	कमला मत्स्य हैचंरी, दैइयाखैरवार	श्री शंकर सिंह	20.00	500.00	20,00.00
4.	कोशी मत्स्य हैचरी, दैइयाखैरवार	श्री अशोक कुमार सिंह	55.00	5000.00	60,000.00
5.	संगम मत्स्य हैचरी, दैइयाखैरवार	श्री नीरज सिंह	04.00	200.00	10,000.00
6.	यमुना मत्स्य हैचरी, दैइयाखैरवार	श्री विमल सिंह	03.00	200.00	10,000.00
	कुल		**137**	**12900**	**175.000**

नोटः (यह आकड़ा लोगों से पूछ–ताछ पर आधारित है)